Dainik Bhaskar (Indore), 30th April 2025, Page – 07

शहरी और ग्रामीण हेल्थकेयर के अंतर को दूर करने के लिए 150 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित

# डिजिटल हेल्थकेयर के लिए आईआईटी में बनेगा टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश में डिजिटल हेल्थकेयर क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए आईआईटी इंदौर को एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। राष्ट्रीय अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के अंतर्गत संस्थान में टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क (टीटीआरपी) की स्थापना की जाएगी। यह पार्क विशेष रूप से डिजिटल हेल्थकेयर को समर्पित होगा और देश में हेल्थ टेक्नोलॉजी को व्यावसायिक और सामाजिक उपयोग तक पहुंचाने में मदद करेगा।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने 2021 में टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब की शुरुआत की थी। इसके तहत एक उन्नत प्लेटफॉर्म \'चरकडीटी' विकसित किया है, जो मरीजों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य मॉडलों के निर्माण में एआई, ईएचआर और टेलीमेडिसिन जैसी तकनीकों का उपयोग करता है। मालूम हो, देश में डिजिटल हेल्थकेयर तेजी से विकसित हो रहा है, जो आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) जैसी सरकारी पहलों से प्रेरित है। इस उद्देश्य एक सरल डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जिसमें टेलीमेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित डायग्नोस्टिक्स का लाभ उठाया जा रहा है। एनएम-आईसीपीएस के तत्वावधान में, आईआईटी इंदौर को 2021 में पहले ही टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) मिल चुका है। दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की स्थापना सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और विजुअलाइजेशन पर काम के लिए हुई थी। इसमें डिजिटल हेल्थकेयर सहित कई क्षेत्रों में काम किए जा रहे हैं। टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क प्रोजेक्ट में अगले कुछ वर्षों में 150 करोड़ रुपए तक का निवेश प्रस्तावित किया गया है।

## संस्था के लिए यह एक उपलब्धि है

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास एस. जोशी ने इसे संस्थान की एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा, हम इस नए टीटीआरपी के माध्यम से डिजिटल हेल्थकेयर के क्षेत्र में देश की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नया टीटीआरपी डिजिटल हेल्थकेयर पर आईआईटी इंदौर में शुरू की गई पहलों की एक बड़ी मान्यता है।